

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 11, ईसा। 22-23

© जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट और यशायाह की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 11, यशायाह अध्याय 22 और 23 है।

हम सब मिलकर प्रार्थना करें। जैसा कि हम पिछले सप्ताह हुई त्रासदी के बारे में सोचते हैं, हे भगवान, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि इस सीज़न में हम जो जश्न मना रहे हैं वह यह है कि आप इस दुखद टूटी हुई दुनिया में आए, कि आपने हम में से एक बनने का फैसला किया, यह जानते हुए कि हम कौन हैं, यह जानना कि हम कैसे हैं, यह जानना कि अंततः हम आपके साथ क्या करेंगे। आप आये। धन्यवाद। धन्यवाद। आज शाम आपके शब्दों का अध्ययन करने का सौभाग्य प्राप्त करने के लिए धन्यवाद। फिर से, हमेशा की तरह, हम आपसे अपनी पवित्र आत्मा की शक्ति में आने और अपने आप को हमारे सामने प्रकट करने के लिए कहते हैं।

हमें यह समझने में मदद करें कि आपने यशायाह को लगभग 30 शताब्दियों पहले क्या कहने और लिखने के लिए प्रेरित किया था। हमारी मदद करें ताकि आपका शब्द हमारे दिलों को छू सके और हम आज इस दुनिया में आपके लोगों के रूप में बेहतर जीवन जीने में सक्षम हो सकें। आपका धन्यवाद क्योंकि आप आए और मर गए और फिर से जी उठे, पवित्र आत्मा हम में से हर एक के लिए उपलब्ध है। हे प्रभु, हमारी सहायता करें, कि आज शाम हमारे भीतर की आत्मा आपकी आत्मा में फिर से जीवित हो जाए और हम पवित्र जीवन जीने के लिए सशक्त हो सकें। आपके नाम पर, आमीन।

ठीक है। हम आज रात राष्ट्रों के विरुद्ध अंतिम दो भविष्यवाणियों पर नज़र डाल रहे हैं। हम विश्वास के पाठों को देख रहे हैं क्योंकि यशायाह लोगों को सेवकत्व में उस पहले कदम के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहा है, उस पर भरोसा करने की परम आवश्यकता को समझ रहा है। और हम विश्वास की बुनियादी आवश्यकता को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बता सकते।

अगर हम भगवान पर भरोसा नहीं करेंगे, अगर हम भगवान पर भरोसा नहीं करेंगे, तो हम कभी भी उनके सेवक नहीं बन सकेंगे। हमें यह कहने में सक्षम होना होगा, हां, भगवान, मैं जानता हूँ कि मेरे प्रति आपके इरादे मूल रूप से अच्छे हैं। और मैं जानता हूँ कि आपकी इच्छा ही वह चीज़ है जिसकी मुझे अपने जीवन में वास्तव में आवश्यकता है।

और मैं आप पर तब भी भरोसा करता हूँ जब मुझे समझ नहीं आता कि आप क्या कर रहे हैं। मुझे आप पर भरोसा है कि आप मेरे लिए और मेरे माध्यम से अच्छा करेंगे। यदि आप ऐसा मानते हैं, यदि आप ऐसा जानते हैं, तो आप साहस कर सकते हैं।

लेकिन अगर आप यह नहीं जानते हैं, तो आप हमेशा, हमेशा अपना दांव टालते रहते हैं। हमेशा, हमेशा यह पता लगाने की कोशिश करते रहते हैं कि मेरे लिए क्या अच्छा है या नहीं? इसलिए, विश्वास अत्यंत आवश्यक है। और वह शुरू करते हैं, जैसा कि हम कहते रहे हैं, यह कहकर कि मानवता पर भरोसा मत करो।

यह दिलचस्प है कि जॉन की पुस्तक में, अध्याय एक और अध्याय दो की शुरुआत में, लोग इस बात से बहुत अभिभूत हैं कि वह कौन है और उसने क्या किया है। लेकिन अध्याय दो के अंत में, यीशु ने अपनी ओर से स्वयं को उनके हवाले नहीं किया क्योंकि वह सभी लोगों को जानता था और उसे मनुष्य के बारे में गवाही देने के लिए किसी की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि वह स्वयं जानता था कि मनुष्य में क्या है। हां हां।

यीशु मानवता की मूलभूत अच्छाई के किसी प्रकार के चीनी-लेपित दृष्टिकोण के साथ नहीं आए थे। वह जानता था कि हम क्या हैं। मुझे लगता है, यह पता था, अंदर से, अब वह हम में से एक बन जाएगा।

अपने आप को हमें दे दो? हाँ। हमारे लिए मरो? हाँ। हमें प्यार करो? हाँ।

लेकिन हम पर भरोसा करें? और यशायाह यही कह रहा है। और वह विशेष रूप से कह रहा है, तो मानव राष्ट्रों पर भरोसा मत करो। अब तक, हमने देखा है कि हमें राष्ट्रों की महिमा पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

और मुझे लगता है कि अध्याय 13 और 14 में यही चल रहा है, जहां बेबीलोन का उपयोग वास्तव में मानव प्राणी की शक्ति और महिमा के बारे में सभी गौरवशाली चीजों के प्रतीक के रूप में किया जाता है। और मुझे आशा है कि जैसे-जैसे हम पुस्तक पढ़ रहे हैं, मुझे आशा है कि आप महिमा शब्द पर अपनी आँखें खुली रखेंगे। क्योंकि यह उन तरीकों से बहुत महत्वपूर्ण है जिनमें यशायाह इसका उपयोग करता है।

इसलिए राष्ट्रों की महिमा पर भरोसा मत करो। राष्ट्रों के गौरव पर भरोसा मत करो. अध्याय 15 और 16 में मोआब।

राष्ट्रों की राजनीतिक साजिशों पर भरोसा न करें। जैसा कि हमने अध्याय 17 और 18 में देखा, अध्याय 17 में सीरिया और इस्राएल से शुरुआत की, और फिर राष्ट्रों की ओर बढ़ते हुए जैसे वे चारों ओर उबल रहे थे, सुदूर दक्षिण में कुश से बेबीलोन तक यहां और वहां दूत भेज रहे थे और सब किसलिए? कुछ नहीं। राष्ट्रों के धर्म, संसाधनों और ज्ञान पर भरोसा न करें, जैसा कि अध्याय 19 और 20 में विशेषकर मिस्र में देखा गया है।

अध्याय 21, जिसे हमने पिछली बार समाप्त किया था, मुझे लगता है कि यह वाणिज्य के बारे में बात कर रहा है। वह व्यापार जो रेगिस्तान के पार आगे-पीछे हो रहा है, राष्ट्रों का वाणिज्य। महिमा का मतलब क्या है? शून्य।

अभिमान का मतलब क्या है? शून्य। राजनीतिक योजनाओं की राशि क्या है? शून्य। धर्म, साधन और बुद्धि का क्या महत्व है? शून्य।

वाणिज्य राशि कितनी है? शून्य। और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप शून्य को कितनी बार गुणा करते हैं, उत्तर एक ही है। शून्य।

तो, आज रात हम इनमें से अंतिम दो देशों पर आते हैं जिन पर हमें भरोसा नहीं करना चाहिए। और पहला तो बहुत आश्चर्यजनक है। अध्याय 22, दर्शन की घाटी के विषय में दैवज्ञ।

मैं एक मिनट में उस पर वापस आना चाहता हूँ। लेकिन हम यहां किस देश की बात कर रहे हैं? यहूदा। यहूदा।

एक मिनट रुकें, यशायाह, आप यहां भ्रमित हैं। हमें उन अन्य राष्ट्रों के बारे में बात करनी चाहिए जिन पर यहूदा भरोसा कर सकता है। यहूदा को इस सूची में शामिल करके यशायाह क्या कह रहा है? खुद पर भरोसा मत करो।

आपका राष्ट्र अन्य राष्ट्रों से भिन्न नहीं है। अगर हम हमें बचाने के लिए किसी राष्ट्रीय इकाई पर भरोसा करने की बात कर रहे हैं, तो आपका राष्ट्र किसी भी अन्य से बेहतर नहीं है। और मुझे लगता है कि मैं थोड़ा आश्चर्यचकित हूँ कि यशायाह इसके बाद अपनी और किताबें लिखने के लिए जीवित रहा।

इस बिंदु पर वह निश्चित रूप से लोकप्रियता की प्रतियोगिता हार गए, यदि उनके पास अब से पहले कोई लोकप्रियता थी। अब, वह इसे दृष्टि की घाटी क्यों कहते हैं? ऐसे वाक्यांश में क्या चल रहा है? क्योंकि वे यह देखने के बजाय कि वे कहाँ हैं, देख रहे हैं, वे अदूरदर्शी हैं और शीर्ष पर होने के बजाय और अपने चारों ओर बड़ी तस्वीर पाने की तलाश कर रहे हैं, और हम एक व्यक्ति के रूप में अपने स्वयं के व्यक्तियों में ऐसा करते हैं। ठीक है, ऊँचे स्थान पर होने के बजाय जहाँ आप लंबा दृश्य देख सकते हैं, वे नीचे घाटी में हैं जहाँ वे बस छोटा दृश्य देख रहे हैं।

पेट्रीसिया, आप कुछ कहने जा रही थीं। मैं बस यह कहने जा रहा था कि यह वैसा ही है जैसे आप पेड़ों से जंगल नहीं देख सकते। सही।

आप पेड़ों से जंगल नहीं देख सकते। आप वही देख रहे हैं जो आपके ठीक सामने है, और आप इससे आगे नहीं देख सकते। मैं सुरंग दर्शन जैसा कुछ कहने जा रहा था।

हाँ, सुरंग दृष्टि. हाँ, हाँ, लेकिन यह एक विरोधाभास है। जैसा कि मैंने पहले कहा है, यह यूनाइटेड मेथोडिस्ट की तरह है।

लेकिन फिर भी, दो चीज़ें एक साथ नहीं चलतीं। दर्शन और घाटियाँ एक साथ नहीं चलतीं। दृष्टि का पहाड़, हाँ।

अदूरदर्शिता की घाटी, हाँ। लेकिन दृष्टि की घाटी? तो, यह एक बहुत ही व्यंग्यात्मक प्रकार का बयान है जो वह दे रहा है। तुम लोग सोचते हो कि तुम बहुत कुछ देखते हो, और वास्तव में तुम लगभग कुछ भी नहीं देखते हो।

अब, जैसे-जैसे हम थोड़ा आगे बढ़ेंगे, हम यह पता लगाना चाहेंगे कि इस तरह के एक बयान के साथ उनके मन में क्या है। प्रथम तीन श्लोकों में जो उल्लास मिलता है, उसका कारण अज्ञात है। संभवतः सबसे अधिक संभावना दो चीजों की है जिनका मैंने पृष्ठभूमि में उल्लेख किया है।

याद रखें कि 701 में, अशशूर के सम्राट, सन्हेरीब ने अनिवार्य रूप से यहूदा के सभी मजबूत शहरों, उनमें से 46, को अपने कब्जे में ले लिया था। दो को छोड़कर. एक है लाकीश, और लाकीश यहाँ तटीय मैदान के किनारे पर है।

और दूसरी बात यह है कि यह बहुत अच्छा नहीं है। दूसरा है जेरूसलम. इसलिए, यदि वह यरूशलेम पर कब्जा करने जा रहा है, तो उसे लाकीश को हासिल करना होगा, क्योंकि वह इस तरह से आ रहा है, और यदि वह उस बड़े किले को छोड़ देता है, और लाकीश एक बहुत बड़ा किला था, अगर वह इसे छोड़ देता है, तो सेना वे बाहर आकर उसकी आपूर्ति लाइन को काटने में सक्षम होने जा रहे हैं, इसलिए उसे वह लेना ही होगा।

और दूसरी ओर, यदि वह उसे ले लेता है, तो यरूशलेम की स्थिति वास्तव में निराशाजनक है। और इसलिए, अपने पैसे बचाने के लिए, जब वह लाकीश पर हमला कर रहा होता है, तो वह अपने अधिकारी को आत्मसमर्पण की मांग करने के लिए यरूशलेम तक भेजता है। और यही हम मार्च, अध्याय 37 में देखेंगे, जब अधिकारी आत्मसमर्पण की मांग करेगा।

लेकिन फिर, अंततः मिस्रवासी एकजुट हो गए और बाहर आ गए, और अधिकारी सन्हेरीब की मदद करने के लिए वापस चला गया, क्योंकि वे मिस्रवासियों से मिलने जा रहे थे। तो, संभवतः, खुशी का एक कारण यह है कि मिस्र पर हमारा भरोसा आखिरकार सफल हो गया है। अब सब कुछ ठीक है.

इस बड़बोले आदमी को पीछे हटना पड़ा है, और सब कुछ अच्छा होने वाला है। दूसरी संभावना यह है कि यह वास्तव में सन्हेरीब द्वारा एक रात में अपने 185,000 सैनिकों को खोने के बाद हुआ है। और फैसला करता है कि शायद उसके लिए घर वापस जाना ही बेहतर होगा।

तो, शायद यह अब आनंद है। हां, देश बर्बाद हो गया है. लाकीश गिर गया।

उस रात अपनी सेना खोने से पहले उसने लाकीश पर कब्जा कर लिया था। इसलिए, यरूशलेम को छोड़कर यहूदा के पास और कुछ नहीं बचा है। लेकिन, वू-हू, हम जीवित हैं।

देश में बाकी सभी लोग मर चुके हैं। हमने इस स्थान पर हर दूसरे शहर को खो दिया है। लेकिन, हे, हम जीवित हैं।

तो, उन दोनों में से कोई एक, या तो रबशाके की वापसी या सन्हेरीब की वापसी, शायद खुशी का कारण हो सकती है। आपका क्या मतलब है कि आप सब लोग छतों पर चले गए हैं? तुम चीख-पुकार से भरे हो। उथल-पुथल भरा शहर.

हर्षित नगर. आप वहीं मारे गये जहाँ तलवार से मारा गया या युद्ध में मारा गया। आपके नेता एक साथ भाग गए हैं।

बिना धनुष के उन्हें पकड़ लिया गया। तुममें से जो भी पाए गए, उन्हें पकड़ लिया गया। और फिर, मुझे लगता है कि वह राष्ट्र के बारे में बात कर रहे हैं।

तो, यशायाह सामान्य उल्लास में शामिल क्यों नहीं होता? श्लोक चार और पांच. वह पहाड़ की चोटी पर है. वह दूर की तस्वीर देख सकता है.

वे बस तत्काल देख रहे हैं, ओह, सब कुछ सुंदर है। वह कहता है, नहीं, नहीं. मेरे लोगों की बेटी के विनाश के विषय में मुझे सांत्वना देने का कष्ट मत करो।

अब, फिर से, मुझे लगता है कि हमें हमेशा भौतिक विनाश और आध्यात्मिक विनाश के बारे में सोचना होगा। वह देखता है कि उसके लोगों के साथ क्या हो रहा है। मुझे ऐसा लगता है कि यह उस चीज़ का एक वास्तविक उदाहरण है जिसे वे अवधि की जीत कहते हैं।

हाँ, हाँ, एक भयानक जीत। जहाँ, अगर मुझे याद हो तो, वह एक ग्रीक कहानी है जहाँ उन्होंने एक स्पष्ट जीत हासिल की, लेकिन वास्तव में, इस प्रक्रिया में उन्होंने सब कुछ खो दिया। हां हां।

अब, श्लोक पाँच में, हमें ईश्वर की इन उपाधियों में से पहली उपाधि मिल गई है जिसे मैं आपसे देखने के लिए कहता हूँ। श्लोक पाँच, श्लोक 12, श्लोक 14, 14 में दो बार, 15 में एक बार, और फिर, फिर 25 में। अब, याद रखें, हम किस बारे में बात कर रहे हैं? भगवान किसका? और हम यहां किस मेजबान के बारे में बात कर रहे हैं? स्वर्ग की सेनाएँ.

ऐसा प्रतीत होता है कि यह एक ऐसा वाक्यांश है जिसे भविष्यवक्ता विशेष रूप से ईश्वर की पूर्ण शक्ति के बारे में बात करने के लिए उपयोग करना पसंद करते हैं। मेजबान सितारे हैं. अब, हमारे पास एक समस्या है क्योंकि हम कहते हैं, ठीक है, हाँ, भौतिक सितारे हैं, और फिर प्रतीकात्मक रूप से, वे आध्यात्मिक सितारे हैं।

उनके पास आध्यात्मिक शक्तियाँ हैं, लेकिन पूर्वजों ने ऐसा नहीं सोचा था। हम यह विभाजन करते हैं, और अगर मेरे पास अतिक्रमण के सिद्धांत के प्रभाव के बारे में आपसे बात करने के लिए लंबा समय होता, तो मैं आपको यह समझाने की कोशिश करता कि हम ऐसा करने में सक्षम क्यों हैं। लेकिन बुतपरस्त दुनिया ऐसा नहीं कर सकी।

तारे देवता हैं. देवता तारे हैं। वे स्वर्ग के यजमान हैं।

और बाइबल क्या कहती है? वे सभी यजमान उसके हैं। वे सभी उसकी आज्ञा मानने के लिए मौजूद हैं। अब, फिर से, आप चुट्ज़पाह के बारे में बात करते हैं।

वह चुट्ज़पाह है। बुतपरस्तों से यह कहना साहसपूर्ण है कि आप जिन देवताओं की पूजा करते हैं, वे हमारे हैं। बाद में अध्याय 40 में, यह कहा जाएगा, वह उन सभी को नाम से बुलाता है।

तो यह वाक्यांश यहोवा की पूर्ण शक्ति के बारे में बोलने का एक तरीका है। और यह वाक्यांश दिलचस्प है क्योंकि इसका पूर्ण रूप यहोवा है, जिसका अनुवाद हमारी बाइबिल में किया गया है, प्रभु, यहोवा, स्वर्ग की सेनाओं का परमेश्वर। वह जो कह रहा है उसका पूरा रूप यही है।

यह यहोवा कौन है जिसकी हम आराधना करते हैं? वह स्वर्ग की सेनाओं का परमेश्वर है। और वह दूर-दूर तक छंद पांच, छह और सात देखता है। सेनाओं के परमेश्वर यहोवा का दर्शन की तराई में कोलाहल, और रौंदने, और गड़बड़ी का दिन होगा, और वह दीवारों को गिराएगा, और पहाड़ों पर जयजयकार करेगा।

एलाम, अर्थात् फारस, रथों और सवारों समेत तरकश धारण करता था। और कीर, वह दक्षिणी बेबीलोन है, उसने ऊंटनी को उजागर किया, जो रथों से भरी घाटियों में से आपकी पसंद थी। घुड़सवार फाटकों पर खड़े हो जाते हैं।

उसने यहूदा का आवरण छीन लिया है। यशायाह भविष्य में 150 वर्ष उस दिन की प्रतीक्षा कर रहा है जब बेबीलोन की सेनाएँ आखिरी बार यहूदा को नष्ट करने जा रही होंगी। और वह कहता है, हाँ, तुम लोग अच्छा समय बिताओ।

एक और कली है, लेकिन मैं इसमें शामिल नहीं होने जा रहा हूँ क्योंकि मैं देख रहा हूँ कि यह किस ओर जा रहा है। अब, जो सवाल मैं पूछना चाहता हूँ वह यह है कि क्या इसका मतलब यह है कि हमें लंबे चेहरे के साथ घूमना चाहिए और जब भी किसी की पार्टी होती है, तो हम कहते हैं, नहीं, मैं वहाँ नहीं जा रहा हूँ। हमारा दृष्टिकोण क्या होना चाहिए? यदि हमारे पास दुनिया और उसके अंतिम निर्णय के बारे में एक लंबा दृष्टिकोण है, तो हमारा दृष्टिकोण क्या होना चाहिए? ठीक है।

विश्वास, आनंद. आइए उस आनंद वाली चीज़ को थोड़ा आगे बढ़ाएं। आनंद किस अर्थ में? ठीक है ठीक है।

खुशी इस बात की है कि हम अंत को जानते हैं और शायद उससे भी बेहतर, हम उसे जानते हैं जिसका अंत है। मम-हम्म, मम-हम्म। हम जानते हैं कि हम किसके हैं।

लेकिन यह एक चक्करदार आनंद नहीं है, है ना? यह आत्म-विस्मृति या आत्म-विस्मृति नहीं है, मैं वास्तव में इसे इस तरह से नहीं कहना चाहता। मैं उस दुनिया के भ्रमपूर्ण आनंद के बारे में कहना चाहता हूँ जो कहता है, ठीक है, चलो इस गड़बड़ी को भूल जाएं और अगर हम पर्याप्त मात्रा में शराब पी सकें, तो हम खुश होंगे। एक शांतिपूर्ण आनंद? खुशी और बच्चों के बारे में क्या ख्याल है? पक्का नहीं।

नहीं, आनंद और मंत्रालय. खुशी और मंत्रालय, उह-हह। एक यथार्थवादी आनंद? आशा में आनंद.

आशा में आनंद? हां हां। अंदर नहीं, नंबर एक, बस खुद को नशा दे रहे हैं ताकि हम न देख सकें कि क्या हो रहा है। पोलीत्रा की तरह नहीं, ठीक है, सब कुछ ठीक हो जाएगा।

लेकिन फिर भी, उस पर और उसने हमारे जीवन में और अपनी अंतिम जीत में जो किया है, उसमें विश्वास है। बस आश्वासन, एक यथार्थवादी आनंद। हाँ? जैसा कि आप ऐसा कहते हैं, यह कोई पागलपन नहीं है कि यह सोचने में थोड़ा दुख हो कि, देखिए, यह इसी तरह है।

क्योंकि जैसे ये लोग जी रहे थे वैसे ही जी रहे हैं। अब, कुछ लोग अच्छा जीवन जी रहे हैं, लेकिन यह मुझे सोचने में परेशान करता है, मुझे लगता है कि ऐसा हो सकता है, यह वैसा ही है जैसा आप यशायाह के बारे में कह रहे हैं। वह देखता है कि अंत क्या है।

मुझे लगता है, मुझे लगता है कि आप बिल्कुल सही हैं। तो क्या वो है, क्या वो है? वह कहता है, मेरी प्रजा की बेटी के विनाश के विषय में मुझे सांत्वना देने का परिश्रम न करो। हाँ, वह है, वह है।

यशायाह स्वयं पूरी तरह से शांति और आनंद में है, लेकिन इसे पढ़ने पर, मुझे वह एहसास होता है जो वह जानता है, वास्तव में, क्योंकि वह अभी भी इन लोगों को देखता है और वह चाहता है कि वे भी तैयार हों। वह सिर्फ अपने बारे में नहीं सोच रहा है। बिल्कुल, बिल्कुल।

पार्टी में जाने वाला व्यक्ति आस-पास की हर चीज़ को भूलने की कोशिश कर रहा है, इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा है कि मुझे हर कीमत पर अच्छा महसूस होगा। वास्तविक अर्थ में, यशायाह के लिए बिल्कुल विपरीत सत्य है। वह इस बात को लेकर दुःख की भावना से भरा हुआ है कि उसके लोगों के साथ क्या होने वाला है, हालाँकि वह स्वयं जानता है कि ईश्वर के साथ उसके अपने रिश्ते में, आराम है, विश्वास है, आश्वासन है।

वह बहुत बढिया है। नहीं, मैं बस, हाँ, मैं समझता हूँ कि आप क्या कह रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि आप जो कह रहे हैं वह मिशन होना चाहिए।

हाँ, हाँ, मुझे लगता है कि आप बिल्कुल सही हैं। यह मुझे एक तरह से याद दिलाता है कि युद्ध में एक सैन्य जनरल को क्या महसूस होगा जब वह जानता है कि उसका झंडा पहले से ही उद्देश्य पर लगाया गया है क्योंकि उसके पास सभी सैनिक हैं, उसके पास सारी शक्ति है, लेकिन साथ ही, वह इस बात से दुखी भी है वहाँ पहुंचने के लिए लोगों का बलिदान। वहाँ पहुंचने में कितना खर्च आएगा, हां, हां।

खुशी की बात यह है कि वह काफी हद तक जानता है कि उसे क्या करना है। हाँ हाँ हाँ। क्या इसका संबंध हमारे अपने देश से भी है? हाँ, हाँ, मुझे लगता है कि वह कह रहा है, मैं इस पार्टी में शामिल नहीं हो सकता, जो मूल रूप से इस बात को नकारने के लिए बनाई गई है कि वास्तव में स्थिति क्या है।

वह कहते हैं, मैं उसमें शामिल नहीं हो सकता। लेकिन ईसाई होने के नाते, हम इसे देखते हैं, और हम इससे सहमत हुए बिना नहीं रह सकते, खासकर बाइबल से। यह बिल्कुल सही है।

यह बिल्कुल सही है। बिल्कुल सही। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं।

श्लोक आठ में, आप बहुत दिलचस्प है क्योंकि हम निश्चित रूप से नहीं जानते कि यह किसको संदर्भित करता है। यह एकवचन है, इसलिए यह आप सब नहीं हैं। यह आप हैं, एक व्यक्ति।

आपने जंगल के घर के हथियारों को देखा। नहीं, वह भगवान नहीं बुला रहा है। याद रखें, जंगल का घर सुलैमान के मंदिर का एक हिस्सा है जो देवदार के स्तंभों से भरा हुआ था।

इसीलिए इसे जंगल का घर कहा जाता था। और मन्दिर राजकोष और शस्त्रागार दोनों था, और पूजा का केन्द्र भी था। तो आपने जंगल के घर के हथियारों को देखा।

तुम ने देखा, कि दाऊद के नगर में बहुत सी दरारें पड़ीं। दीवारों की मरम्मत की जरूरत थी। तू ने निचले कुण्ड का जल एकत्र किया।

तू ने यरूशलेम के मकानों को गिन लिया, और शहरपनाह को दृढ़ करने के लिये मकानोंको ढा दिया। तू ने दोनों दीवारों के बीच पुराने पोखरे के जल के लिये एक हौज़ बनाया। अब, हिजकिय्याह ने यही सब किया।

605 में सरगोन की मृत्यु के बाद, और जब सन्हेरीब अपनी शक्ति को मजबूत करने की कोशिश कर रहा था, हिजकिय्याह ने स्थानीय विद्रोह का नेतृत्व करने का मौका देखा। और इसलिए उसने वे सभी चीज़ें कीं जो उसे करने की आवश्यकता थी। दीवारें, उस दिन, मानक सैन्य वास्तुकला थीं, आपके पास इन आंतरिक क्रॉस दीवारों के साथ दोनों तरफ दो दीवारें थीं।

और युद्ध के समय, सामान्य समय में, लोग अपने घर ठीक अंदर की दीवार के सामने बनाते थे। युद्ध के समय में प्रतिष्ठित डोमेन का अधिकार लंबे समय तक रहा है, आपने उन घरों को एक कारण से तोड़ दिया ताकि आप किसी भी स्थान पर दीवार तक तुरंत पहुंच सकें। लेकिन दूसरा कारण इन स्थानों को भरने के लिए उन घरों के मलबे का उपयोग करना था क्योंकि सैन्य वास्तुकारों ने जो सीखा था वह यह था कि यदि आपके पास केवल एक बड़ी दीवार है जो इतनी मोटी है, तो जब पीटने वाला मेढ़ा इस पर हमला करता है, तो यह पूरे झटके का संचार करता है दीवार के पार चला जाता है और पूरी चीज़ को हिला देता है।

जबकि इससे वहां का मलबा पीटने वाले मेढ़ के झटके को सोख लेगा और अंदर की दीवार बची रहेगी। इसलिये, तुम ने शहरपनाह को दृढ़ करने के लिये मकानों को ढा दिया। वह भी वही है, यरूशलेम यहाँ था, यहाँ किद्रोन घाटी है, वहाँ एक झरना था, वहाँ एक झरना है।

मुझे लगता है कि मैंने सुना है कि एक घंटे में उस चीज़ से कितने हज़ारों गैलन पानी निकलता है। यह आश्चर्यजनक है। लेकिन यह नीचे घाटी में था, जबकि दीवारें यहां पहाड़ी की चोटी के चारों ओर ऊपर हैं।

तो, उसने जो किया वह यह था कि उसने यहां नीचे से होते हुए निचले सिरे पर एक तालाब तक एक सुरंग खोदी थी। तो, हम यहां हिजकिय्याह के बारे में बात कर रहे हैं। अब हिजकिय्याह एक अच्छा राजा है।

किंग्स की किताब उनके बारे में एक अच्छे राजा के रूप में बात करती है, इतिहास की किताब उनके बारे में एक अच्छे राजा के रूप में बात करती है। यशायाह क्या कहता है कि वह करने में असफल रहा? उसने अपने निर्माता से परामर्श नहीं किया। बिलकुल, बिल्कुल, बिलकुल।

उन्होंने हर भौतिक सामग्री को देखा। और यशायाह यह नहीं कहता कि यह गलत है। वह यह नहीं कहता कि उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

लेकिन वह सिर्फ वैली ऑफ विज़न कहते हैं। तुमने भौतिक चीज़ों की ओर देखा और तुमने प्रभु की ओर नहीं देखा। अब मैं स्वीकार करता हूँ, मुझे खुशी है कि यह यहां है क्योंकि एक इतिहासकार ने जो बातें कही थीं, उनमें से एक मैंने वर्षों पहले वास्तविक इतिहास लेखन के बारे में बात करते हुए पढ़ी थी, उन्होंने कहा था कि वास्तविक इतिहास लेखन में, आपके पास कोई नायक नहीं है।

उनके कहने का मतलब यह था कि आपके पास ऐसे लोग नहीं हैं जो धुले हुए हों जो कभी कुछ गलत नहीं कर सकते। क्योंकि उन्होंने कहा था, एक बार जब आप इसे देख लेंगे, तो आपको पता चल जाएगा कि कोई इतिहास नहीं लिख रहा है। लेकिन अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं जो सक्षम है, जो सक्षम है, जो आश्वस्त है, और फिर भी जो खामियां प्रदर्शित करता है, तो आप विश्वसनीय इतिहास देख रहे हैं।

डेविड, और तब इस इतिहासकार ने जो टिप्पणी की वह यह थी कि, यह उन चिह्नों में से एक है जो हमें बाइबल में मिलते हैं। एक, यीशु को छोड़कर, कोई स्वर्ण-मंडित नायक नहीं हैं। लेकिन बाकी सभी में, बाकी सभी में खामियां हैं।

बाकी सभी में असफलताएँ हैं। और मुझे ऐसा लगता है कि यशायाह कह रहा है, जब हम अध्याय 38 और 39 में उतरेंगे तो हम इसका फिर से सामना करेंगे। यशायाह कह रहा है, कि यदि आप किसी भी सामान्य इंसान के रूप में इस मसीहा की तलाश कर रहे हैं, तो आप आप दुःखी रूप से निराश होने जा रहे हैं।

वे तुम्हें विफल कर देंगे. वे तुम्हें विफल कर देंगे. लेकिन यीशु ऐसा नहीं करेंगे.

तो, श्लोक 12, 13, और 14 में हमारे पास क्या है? हाँ। बुरे लोगों का अल्पकालिक गायब होना। हाँ हाँ हाँ हाँ।

और श्लोक 13, वह अंतिम वाक्यांश, जो काफी प्रसिद्ध है, के बारे में क्या? क्यों? हाँ। कौन जानता है? बेहतर होगा कि जब तक आप इसे जी सकें, जी लें। फिर से, बीयर बनाने वालों पर कूदने के लिए मुझे माफ करें, लेकिन बेहतर होगा कि आप इसे उत्साह के साथ करें।

आप केवल एक बार घूमें। हाँ यह सही है। यह सही है।

नहीं। अब, मैं बस एक पल के लिए यहां वापस आता हूँ और कहता हूँ, अपने निर्माता की ओर देखने का क्या मतलब है? वह किस तरह का दिखता है? व्यवहार में, जो व्यक्ति अपने निर्माता की ओर देखता है, वह क्या करता है? वह क्या करता है? प्रार्थना करना। ठीक है।

विश्वास। मेरा मतलब है, आपके और मेरे कहने के लिए, ठीक है, सुबह छह बजे, मैं आज अपने निर्माता की ओर देखने जा रहा हूँ। हम क्या कर रहे हैं? उस पर अपना भरोसा रखना।

लेकिन मैं उससे भी अधिक प्रयास करना चाहता हूँ। मार्गदर्शन माँग रहा हूँ। सोचने का एक तरीका स्थापित करना।

वफ़ादारी. हाँ। सतर्क रहना।

सुनना। हाँ। आज आप क्या चाहते हैं? अपने आप को पूरी तरह से उसकी रखवाली और हाथों में सौंपना।

हाँ। तो, यह एक दृष्टिकोण है. यह सोचने का एक तरीका है.

लेकिन कभी-कभी इसे एक प्रकार का मंत्र बना देना आसान होता है। खैर, मैं प्रभु की ओर देखने जा रहा हूँ। अरे हाँ।

जनरल के झंडे का विचार पहले से ही मौजूद है। वहाँ कोई नास्तिक और मूर्ख नहीं हैं। अचानक आपको एहसास होता है कि यह मेरा आखिरी दिन हो सकता है, इसलिए बेहतर होगा कि मैं भगवान के साथ सही हो जाऊँ।

हाँ। हाँ। हाँ।

और, और, भगवान, मैं जानता हूँ कि अंत में आपकी ही जीत होगी। मैं जानता हूँ कि जीत वहीं है। लेकिन क्या आपको आज किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो गड्ढे से बाहर निकलकर आक्रमण का नेतृत्व कर सके? तो फिर, यह एक संपूर्ण दृष्टिकोण विकसित कर रहा है, और यह वही है जो वे नहीं कर रहे हैं।

खाओ पीयो और मगन रहो। अब से हम मरेंगे. मैं आगे नहीं देखना चाहता।

मैं उन विकल्पों पर गौर नहीं करना चाहता जो मेरे नजरिए से पूरी तरह सुखद न हों। मैं इतना लंबा दृष्टिकोण नहीं रखना चाहता, ठीक है, मेरी आज की पसंद भगवान की दीर्घकालिक योजना में कैसे फिट हो सकती है? मैं उस तरह से सोचना नहीं चाहता. मैं आज सिर्फ अच्छा महसूस करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ।

क्योंकि जीवन बहुत अनिश्चित है. मैं इसे दूसरी तरह से रखना चाहता हूँ. जीवन इतना निश्चित है कि मुझे आज अच्छा महसूस करने की ज़रूरत नहीं है।

अब, हमारी संस्कृति में, यह काफी कट्टरपंथी है। वास्तव में अच्छा महसूस करना ही मायने रखता है क्योंकि इसके अलावा और कुछ नहीं है, बेबी। नहीं, कुछ और भी है।

और इसलिए, मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से संभव है कि वे सभी चीजें बिल्कुल वही हैं जो हिजकियाह को करनी चाहिए थी। लेकिन उन्हें इसे एक अलग दृष्टिकोण, एक अलग विचार, एक अलग योजना के साथ करना चाहिए था। ठीक है।

अब, श्लोक 14 अत्यंत कठोर प्रतीत होता है। सेनाओं के यहोवा ने स्वयं को मेरे कानों में प्रकट किया है। सेनाओं के यहोवा का यही वचन है, कि तेरे मरने तक इस अधर्म का प्रायश्चित्त न किया जाएगा।

अब, मैंने आपकी जाँच नहीं की, लेकिन मेरा मानना है कि एक बहुवचन है। लेकिन मैं निश्चित रूप से नहीं जानता। वैसे भी, वाह!

इस अधर्म का प्रायश्चित्त तुम्हारे मरने तक न होगा। इसका प्रायश्चित्त क्यों नहीं किया जायेगा? अभी यहाँ 12 और 13 में जो कहा गया है उसमें ऐसी क्या समस्या है? यह जानबूझकर अस्वीकार किया गया है। ठीक है।

यह जानबूझकर अस्वीकार किया गया है। यह स्वयं को जानबूझकर अंधा करना है। अन्य विचार? इस अधर्म में ऐसा क्या है जिसका प्रायश्चित्त नहीं किया जा सकता? पश्चाताप करने से इनकार? हाँ।

मैं भगवान की ओर नहीं देख रहा हूँ। मैं बोरबॉन की अगली बोतल की तलाश में हूँ। यहां हमारा समय बहुत तेजी से बीत रहा है।

हमारे पास इन सन्दर्भों को देखने का समय नहीं है। परन्तु यूहन्ना कहता है, पाप का फल मृत्यु तक है, और मैं तुम से यह नहीं कहता कि तुम उसके लिये प्रार्थना करो। बहुत खूब।

परन्तु यदि तुम किसी ऐसे व्यक्ति को देखो जिसने ऐसा पाप किया है, जिसका फल मृत्यु नहीं है, तो उसके लिये प्रार्थना करो, कि वह क्षमा हो जाए। खैर, मृत्युपर्यंत पाप क्या है, इस पर बहुत कुछ लिखा जा चुका है। और यदि आप इब्रानियों अध्याय 10 पर वापस जाते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे यह वह व्यक्ति है जो वास्तव में जानता है कि मसीह को अपने दिल में रखने का क्या मतलब है, और अब उसके खिलाफ हो गया है।

मैंने अक्सर इसकी तुलना रेडियो रिसीवर से की है। यह कमरा शास्त्रीय संगीत से लेकर आर एंड बी तक, संगीत से भरा हुआ है। यह बातचीत से भरा है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हममें से कोई इसे सुनता है।

यदि आप इसे सुनते हैं, तो अपना हाथ मत रोकें। क्यों नहीं? क्योंकि हमारे पास रिसीवर नहीं हैं। क्या ईश्वर किसी से प्रेम करना बंद कर देता है? नहीं।

लेकिन क्या आपके रिसीवर को तोड़ना संभव है ताकि आप उसे सुन न सकें? ऐसा प्रतीत होता है कि जॉन, इब्रानियों और यशायाह इसी बारे में बात कर रहे हैं। आप अपने आप को उस बिंदु पर ले आते हैं जहां, मैं प्रसिद्ध नास्तिक क्रिस्टोफर डॉकिन्स के बारे में सोचता हूं जिनकी पिछले वर्ष कैंसर से मृत्यु हो गई थी। अंत तक अहंकारी।

बोले, तुम लोग मेरे लिए प्रार्थना कर रहे हो, सीधे आगे बढ़ो, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होगा। सही? रिसीवर तोड़ दिया. खाओ, पीओ, और आनंद मनाओ क्योंकि कल हम मरेंगे।

गंभीर बात, गंभीर बात. पवित्र आत्मा की निंदा करना संक्षेप में है, यह केवल पवित्र आत्मा के बारे में बुरी बातें कहना नहीं है। यह वास्तव में अपने आप को एक ऐसी जगह पर रखना है जहां आप कहते हैं कि पवित्र आत्मा का मेरे लिए कोई मतलब नहीं है और आप कुछ भी नहीं करने जा रहे हैं।

मैं अपने जीवन में कुछ नहीं कर सकता. यह सब एक मिथक है. यह सही है।

यह सब एक मिथक है. खैर, पॉल या पतरस 2 पतरस और पहले अध्याय में यह भूलने के बारे में बात कर रहे हैं कि आपको शुद्ध कर दिया गया है। हां हां हां हां।

और यह मुझसे उस बात की आवश्यकता के बारे में बात करता है जो मैंने वर्षों पहले किसी को छोटे खाते रखने के बारे में कहते सुना था। यदि आप अपने जीवन में बिना पछतावे के पाप करते रहते हैं, तो एक बिंदु आता है जहां आप भूल जाते हैं। छोटे खाते रखें, छोटे खाते रखें.

अब, मैंने वर्षों से हमेशा छात्रों के साथ काम किया है, मेरे पास कई बार ऐसा हुआ है जब कोई मेरे कार्यालय में आया और कहा, मुझे डर है कि मैंने अक्षम्य पाप किया है। और मेरा उत्तर है, नहीं, आपने ऐसा नहीं किया है। क्योंकि तुम डरते हो, हाँ।

यदि आप डरते हैं कि आपके पास है, तो आपने नहीं किया है। यह तब होता है जब आपको इसकी परवाह नहीं होती और आप इसके बारे में चिंता नहीं करते। तभी खतरा पैदा होता है.

ठीक है, अध्याय के शेष श्लोक 15 से 25 में, मुझे लगता है कि हमारे पास इनमें से एक चीज़ है जिसे मैंने ग्राफिक चित्रण कहा है। यशायाह हर समय इनका उपयोग करता है। वह किसी चीज़ के बारे में बात करता है, वह कुछ धर्मशास्त्र प्रस्तुत करता है और फिर वह एक चित्र बनाता है या वह एक कहानी या कुछ और बताता है जो इसे चित्रित करता है।

तो यहाँ शेवना है। शेवना लगभग निश्चित रूप से प्रधान मंत्री हैं। घर का प्रबंधक लगभग निश्चित रूप से देश का प्रधान मंत्री होता है।

तो, वह क्या कर रहा है? वह अपनी कब्र के निर्माण की देखरेख कर रहा है। तुमने प्रभु की ओर नहीं देखा, खाओ, पियो और आनंद मनाओ क्योंकि कल हम मरेंगे। और यशायाह कहता है, हाँ, तुम मरने वाले हो, ठीक है।

लेकिन तुम किसी विदेशी भूमि में मरने वाले हो। हम नहीं जानते कि वह कैसे पूरी हुई। हमें नहीं पता कि शेवना की मौत कैसे हुई।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वह जो कह रहा है वह यह है कि आपको बंधक बना लिया जाएगा। अब हम जानते हैं कि हिजकिय्याह की मृत्यु के बाद, उसका पुत्र मनश्शे अश्शूरियों का जागीरदार बन गया। यह सच है कि कनान के सभी राष्ट्रों में से केवल यहूदा ही अर्ध-स्वतंत्र रहा और उसका अपना राजा सिंहासन पर बैठा।

यह उल्लेखनीय है। लेकिन फिर भी, मनश्शे अश्शूरियों का जागीरदार बन गया। और इसमें लगभग हमेशा बंधक शामिल होते थे।

तो, यह प्रश्न से बाहर नहीं है। वास्तव में, मुझे लगता है कि यह संभव है कि एक उच्च अधिकारी के रूप में शेवना उन लोगों में से एक थी जिन्हें बंधक बना लिया गया था। और यशायाह कहता है कि तुम पराए देश में मरने वाले हो।

आप उस बड़े फैंसी मकबरे में नहीं रहेंगे जिसे आप बना रहे हैं। जो होने जा रहा है वह श्लोक 20 है, मेरा सेवक एलियाकिम आपका स्थान लेने जा रहा है। और यह दिलचस्प है कि जब हम अध्याय 36 में आते हैं और दूतावास को देखते हैं जो असीरियन जनरल से मिलने के लिए निकला है, एलियाकिम प्रधान मंत्री हैं और शेवना सचिव हैं।

तो, भविष्यवाणी उस समय तक पूरी हो चुकी है। मैं इस घटना के तीन या चार साल बाद के बारे में सोचता हूँ। तो, ऐसा हुआ है।

अब, एक और बात जो मैं यहां अध्याय 22, श्लोक 23 में बताना चाहता हूँ, मैं उसे एक सुरक्षित स्थान पर खूँटी की तरह बांध दूंगा। वह अपने पिता के घराने के लिये सम्मान का सिंहासन बनेगा। वे उस पर उसके पिता के घराने, उसकी संतान का सारा सम्मान लटका देंगे और प्यालों से लेकर सभी झंडों तक हर छोटे बर्तन जारी कर देंगे।

सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है, उस दिन वह खूँटी जो सुरक्षित स्थान में गाढ़ी गई थी ढीली हो जाएगी। वह कट कर गिर जायेगा और उस पर जो बोझ था वह भी कट जायेगा। अब, जो सवाल मैं यहां पूछता हूँ वह यह है कि यदि आप ईमानदारी से भगवान का काम कर रहे हैं तो यह पैराग्राफ मानवीय दृष्टिकोण से सफलता की गारंटी के बारे में क्या कहता है? अपनी सफलता को लोग क्या कहते हैं उससे मत मापिए।

अपनी सफलता को लोग क्या कहते हैं उससे मत मापिए। परमेश्वर के मार्ग में किए गए परमेश्वर के कार्य में परमेश्वर की आपूर्ति की कभी कमी नहीं होगी। क्या आपने ऐसा सुना है? ठीक है, अगर एलियाकिम भगवान का काम कर रहा है और सभी सबूत यह हैं कि वह ऐसा कर रहा था, तो क्या उसे असफल न होने की गारंटी नहीं है? यहाँ कुछ शांति है।

यह इस पर निर्भर करता है कि आप सफलता को कैसे परिभाषित करते हैं। हां हां। ठीक है, मानवीय दृष्टिकोण से हम असफल हो सकते हैं, लेकिन वास्तव में, दीर्घावधि में जितना हमने सोचा था उससे कहीं अधिक हासिल किया गया।

हाँ, मुझे लगता है कि यह बहुत संभव है। हमें यह नहीं बताया गया है कि एलियाकिम के मामले में ऐसा होता है, लेकिन यह निश्चित रूप से बहुत, बहुत संभव है। मेरा अभिप्राय केवल यह कहना है कि, हमें वफादार रहने और परिणाम को भगवान के हाथों में छोड़ने के लिए बुलाया गया है।

और यह कठिन है. यह मुश्किल है। आप में से कुछ लोग जानते हैं कि मैं लगभग साढ़े तीन वर्षों तक असबरी कॉलेज का अध्यक्ष था, जब यह असबरी कॉलेज था।

और जब मैं स्वर्ग पहुंचूंगा तो भगवान से मेरा एक प्रश्न यह होगा कि वह किस बारे में था? मुझे लगता है कि चीजों में से एक थी, यहां व्यक्तिगत रूप से बोलना, वास्तव में मेरे जीवन में उस बिंदु तक, जो कुछ भी मैंने वास्तव में, वास्तव में करने की कोशिश की, मैं उसमें सफल हुआ। और मैंने वास्तव में, वास्तव में कॉलेज का अध्यक्ष बनने की कोशिश की। और मैं असफल हो गया।

बहुत से लोग अच्छी बातें कहना पसंद करते हैं, लेकिन मैं असफल रहा। यही इसका लंबा और छोटा हिस्सा है। और वह मेरे लिए बहुत ही सराहनीय सबक था।

लेकिन मुद्दा यह है, भगवान, अपनी पूरी क्षमता से, आपकी ओर देखते हुए, मैं अपना जीवन आपके लिए जीऊंगा। और यह आप पर निर्भर है कि आप परिणामों का उपयोग किसी भी तरीके से करें। नहीं, कोई नहीं, बिल्कुल नहीं।

नहीं नहीं नहीं नहीं नहीं नहीं। हे भगवान, अगर मैं अपना जीवन आपको सौंप दूं, तो आपको मुझे गारंटी देनी होगी कि परिणाम सुखद और प्रभावी होगा। और भगवान कहते हैं, जरूरी नहीं।

और यह कठिन है. यह मुश्किल है। ठीक है, हमें यहाँ जल्दी जाना होगा।

अध्याय 23, कई मायनों में, एक बड़ा ग्राफिक चित्रण है। जैसा कि मैंने नोट्स में कहा है, सोर और सिडोन इज़राइल के उत्तर में तट पर दो महान बंदरगाह शहर थे। सोर, दक्षिणी वाला, और सीदोन, उत्तरी वाला।

और वे एक तरह से जुड़वाँ थे। इसलिए, यदि आप एक के बारे में बात कर रहे हैं, तो आप वास्तव में दूसरे के बारे में बात कर रहे हैं। यहां के पहाड़, लेबनान पर्वत, तट के बहुत करीब हैं।

और पहाड़ों की उँगलियाँ सीधे तट तक दौड़ती हैं। इसलिए भूमि मार्ग से उत्तर-दक्षिण यात्रा बहुत कठिन है। लेकिन समुद्र में फैले इन पहाड़ों के बीच आपके पास महान बंदरगाह हैं।

इसलिए शीर्ष पर जाना भी कठिन है। आपको यहां एक खड़ी घाटी मिली है। फिर आपके पास इस तरफ लेबनान विरोधी पहाड़ियाँ हैं।

इसलिए आज भी यहां का दमिश्क आसानी से लेबनान पर नियंत्रण नहीं कर पाता। वायु शक्ति के एक दिन में भी, भूमि के लिहाज से, दमिश्क से टायर और सिडोन तक जाना मुश्किल है। इसलिए, ये दोनों शहर पश्चिम की ओर देखते थे।

और मूल रूप से, उन्होंने व्यापार में पूर्वी भूमध्य सागर को नियंत्रित किया। ये वे फोनीशियन हैं जिनके बारे में आपने विश्व इतिहास में सीखा है। और वे ही हैं जिन्होंने कार्थेज, जो आधुनिक ट्यूनीशिया है, में कॉलोनी की स्थापना की।

और उन्होंने रोमनों को बहुत ही करीब से दूसरे स्थान पर दौड़ाया। रोमनों और कार्थागिनियों ने लगभग 150 वर्षों तक संघर्ष किया, अंततः रोमनों ने उन्हें प्राप्त कर लिया। हैनिबल एक फोनीशियन है।

वह एक कार्थाजियन है। इसलिए, पूर्वी भूमध्य सागर के समुद्री वाणिज्य पर एकाधिकार के मामले में ये दोनों शहर बेहद समृद्ध थे। मिस्रवासियों के पास ढेर सारा अनाज और सोना था, लेकिन उनके पास लकड़ी नहीं थी।

वे समुद्री जहाज़रानी में भी खराब थे। तो, टायर और सिडोन उनके वाणिज्य भागीदार थे। और फिर आपके पास यहां जो है वह समाचार है।

जहाज़ पश्चिम से आ रहे हैं। तर्शीश लगभग निश्चित रूप से स्पेन का पूर्वी तट है। तर्शीश के जहाज़ आ रहे हैं।

वे टायर में अपने होम पोर्ट पर वापस आ रहे हैं और खबर आती है कि टायर नष्ट हो गया है। और कविता में, यह खबर भूमध्य सागर के किनारे से लेकर साइप्रस तक फैल रही है, वह द्वीप जो वहां है, याद है? और इस खबर से हर कोई भयभीत है कि टायर और सिडोन गिर गए हैं। श्लोक 9, 23:9 को देखें। और ऐसा क्यों हुआ? सेनाओं के यहोवा ने पृथ्वी के सब सम्मानित लोगों का अनादर करने के लिए सारी महिमा के आडंबर को अशुद्ध करने का इरादा किया है।

वह विषय पूरी किताब में चलता है। ईश्वर ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। ईश्वर के विरुद्ध स्वयं को ऊँचा उठाने का प्रत्येक मानवीय प्रयास विफल होने के लिए अभिशप्त है।

और इसलिए यशायाह अपने लोगों से कहता है, तुम उस पर भरोसा क्यों करोगे? आप भरोसा क्यों करेंगे? और यह आखिरी शून्य होगा। आप राष्ट्रों की संपत्ति पर भरोसा क्यों करेंगे? ऐसा क्यों हुआ है? और फिर, पाँच सप्ताह में, हम इस बारे में फिर से बात करेंगे। क्योंकि परमेश्वर ने इसका उद्देश्य रखा है।

भगवान ने इसकी योजना बनाई है। अब, फिर से, यदि आप चाहें, यदि आप हमारे जैसे धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र का गुस्सा बढ़ाना चाहते हैं, तो बस कहें कि ईश्वर योजना बना रहा है कि पृथ्वी पर क्या होगा। नहीं - नहीं।

अगर यह सच होता, तो मुझे उसकी योजनाओं के आगे झुकना पड़ता। और मैं किसी के प्रति समर्पण नहीं करता। मैं अपने जीवन में भगवान हूँ।

और भगवान कहते हैं, उसके लिए शुभकामनाएँ। उसके साथ शुभकामनाएं। लेकिन वह पूरी अवधारणा, फिर से, किताब में चल रही है कि जो हो रहा है वह संयोग का परिणाम नहीं है।

यह केवल भूराजनीतिक शक्ति का परिणाम नहीं है। यह ब्रह्माण्ड के ईश्वर का परिणाम है जो कार्य कर रहा है। अब, तुरंत, हम पूछेंगे, अच्छा, क्या आप मुझे बताएंगे कि भगवान ने कनेक्टिकट की योजना बनाई थी? नहीं, मैं नहीं हूँ।

लेकिन मैं यह कहने जा रहा हूँ कि वहां जो कुछ हुआ है वह भगवान की अपनी दुनिया पर शासन करने की क्षमता से बाहर नहीं है। आप कहते हैं, कैसे? मुझे नहीं पता। लेकिन बाइबल यह कहने जा रही है कि जो होता है वह संयोग के परिणामस्वरूप नहीं होता है।

मैं व्यक्तिगत रूप से इस मामले में सोचता हूँ कि जो कुछ हुआ वह मानवीय पाप का परिणाम है। लेकिन यह परमेश्वर की योजना, उद्देश्य और नियंत्रण से बाहर नहीं है। वह यही बात कह रहा है।

बॉब? अलग-अलग धार्मिक नेता भी भगवान के रास्ते पर चलते हैं। क्या यह राजनीतिक नेताओं की तरह ही सोचने का तरीका है? बहुत ज्यादा तो। यशायाह उतना नहीं करता।

लेकिन मीका, जो यशायाह का समकालीन है, राजनीतिक नेताओं के साथ-साथ धार्मिक नेताओं, पूरे नेतृत्व की निंदा करता है। और वह रईसों, पैगंबरों, पुजारियों को ऐसा करेगा। ये सभी भ्रष्ट हैं।

ये सभी रिश्तों के लिए काम करते हैं। तो, आपको यशायाह और मीका जैसे लोग मिलेंगे जो स्पष्ट रूप से दृश्य पर कुछ हद तक अकेले हैं। और इसके बाद मैं तुम्हें जाने दूँगा।

लेकिन मैं हमेशा थोड़ा हँसता हूँ क्योंकि पुराने नियम के विद्वान, वे हमेशा मेरी अच्छाई की खोज करते रहते हैं, हिब्रू लोग, वे सभी मूर्तिपूजक थे। उह-हह, किताब यही कहती है। खैर, हिब्रू लोग, वे सभी यरूशलेम में पूजा नहीं करते थे।

हाँ, किताब यही कहती है। हाँ, वहाँ नहीं था। मुझे लगता है कि आपको क्या मिला, और जैसा कि मैंने आपसे पहले कहा है, मेरे सभी मूल विचार या तो डेनिस किनलॉ या सीएस लुईस से आते हैं।

लेकिन डॉ. किनलॉ सोफिया पेरेनिस, शाश्वत ज्ञान, उस धागे के बारे में बात करते हैं जो चलता रहता है। तो, संस्कृति हर जगह हो सकती है, लेकिन यहाँ यह धागा है जो चल रहा है। और मुझे लगता है कि बाइबल में हम जो देखते हैं वह वे अल्पसंख्यक हैं जो सत्य के इस सूत्र के प्रतिनिधि थे जो चल रहा है।

इसलिए मैं इज़राइली धर्म के बारे में बात करने में थोड़ा अधिक सतर्क हो गया हूँ। बाइबिल धर्म, हाँ। इज़राइली धर्म, मुझे लगता है कि यह इज़राइली धर्म है।

तो , इस्राएल देश, यहूदा के बीच में, वास्तव में आपके पास परमेश्वर के लोगों का एक अवशेष है। बिल्कुल, बिल्कुल। और यह न्यायाधीशों के काल में ही शुरू हो जाता है।

खैर, मैं तुम्हें अब और नहीं रख सकता। लेकिन यह विचार कि सरल से जटिल की ओर एक सीधी रेखा में प्रगति होती है, बाइबिल में ऐसा नहीं है। बाइबल कहती है कि यह ज़बरदस्त विस्फोट हुआ था जिसकी परिणति सिनाई में हुई, और फिर लगभग उतनी ही ज़बरदस्त गिरावट माउंट सिनाई की चोटी तक हुई।

और फिर, शमूएल के समय तक। और फिर वापस, लगभग डेविड के साथ सिनाई की ऊंचाइयों तक। और फिर, नीचे और नीचे और नीचे निर्वासन की ओर।

और यहजेकेल निर्वासन से वापसी को एक नए पलायन के रूप में देखता है। हम इस विमान पर फिर से शुरुआत कर रहे हैं। तो हाँ, ठीक है।

क्रिसमस की बधाई। चलो एक गीत गाते हैं। ओह धन्यवाद। धन्यवाद धन्यवाद।

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। और यशायाह की पुस्तक पर उनकी शिक्षा. यह सत्र संख्या 11, यशायाह अध्याय 22 और 23 है।